



॥ श्री विष्णु उपासना विधि ॥
भगवान श्री विष्णु उपासना से भगवान
विष्णु की कृपा प्राप्त होती है

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री विष्णु उपासना विधि ॥

भगवान विष्णु की उपासना से मन को शांति, घर में सुख-समृद्धि तथा जीवन में धर्म और सकारात्मकता का विकास होता है।

उपासना का समय:

प्रातःकाल स्नान के बाद
गुरुवार और एकादशी विशेष शुभ मानी जाती है
विष्णु मंदिर या घर के पूजा स्थान में उपासना करें

पूजन सामग्री

पीले फूल, तुलसी दल, चंदन, धूप और दीप, फल एवं नैवेद्य
गंगाजल, पीला वस्त्र

उपासना विधि

1. ध्यान

भगवान विष्णु का ध्यान करें:
शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशम्।
विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्णं शुभाङ्गम्॥

2. दीप और धूप अर्पण

दीपक जलाकर भगवान को धूप-दीप अर्पित करें।

3. मंत्र जाप

मूल मंत्र
ॐ नमो नारायणाय॥

विष्णु गायत्री मंत्र

ॐ नारायणाय विद्महे।

वासुदेवाय धीमहि।

तन्नो विष्णुः प्रचोदयात्॥

108 बार जाप करना शुभ माना जाता है।

तुलसी अर्पण

भगवान विष्णु को तुलसी अत्यंत प्रिय है।

तुलसी दल अर्पित करते समय बोलें:

तुलसीदलमत्रेण जलस्य चुलुकेन वा।

विक्रीणीते स्वयं विष्णुः भक्तेभ्यो भक्तवत्सलः॥

आरती

ॐ जय जगदीश हरे, स्वामी जय जगदीश हरे॥

उपासना के लाभ

मानसिक शांति

भय और चिंता में कमी

घर में सुख-समृद्धि

आध्यात्मिक उन्नति

भगवान विष्णु की कृपा प्राप्ति

विशेष नियम

सात्विक भोजन करें

सत्य और सदाचार का पालन करें

क्रोध और नकारात्मक विचारों से बचें

एकादशी व्रत करने का विशेष महत्व माना गया है।